

# स्मॉलकैप फंडों का छोटे शेयरों पर दांव

अभिषेक कुमार

मुंबई, 29 जनवरी

स्मॉलकैप फंड अपनी परिसंपत्तियों में कई गुना उछाल के बीच ‘माइक्रोकैप’ पर ध्यान बढ़ा रहे हैं। शीर्ष 500 से नीचे के शेयरों में उनका निवेश बढ़ा है। मॉर्निंगस्टार डायरेक्ट के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले तीन साल में ऐसे शेयरों में स्मॉलकैप फंडों का औसत निवेश 22.4 फीसदी से बढ़कर 31.3 फीसदी हो गया।

जहां म्युचुअल फंड (एमएफ) उद्योग केवल तीन बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) श्रेणियों को मान्यता देता है - लाजकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप, वहीं ‘माइक्रोकैप’ शब्द का इस्तेमाल बाजार विश्लेषक व्यापक रूप से उन शेयरों के लिए करते हैं जो बाजार पूंजीकरण के हिसाब से सबसे बड़ी 500 कंपनियों से बाहर हैं।

स्मॉलकैप फंड पिछले दो साल से निवेशकों के दौरान स्मॉलकैप में आई शानदार तेजी के बीच की दो साल की अवधि में इस श्रेणी ने 75,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया। स्मॉलकैप फंडों की संपूर्ण प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दो साल में 2.53 गुना बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपये हो गईं।

स्मॉलकैप फंडों में दिलचस्पी पिछले दो वर्षों के दौरान स्मॉलकैप में आई शानदार तेजी की वजह से दिखी है। मूल्यांकन में बड़ी तेजी ने कई फंडों को निवेश पर सीमा लगाने के लिए बाध्य कर दिया था। जोखिम घटाने के लिए अन्य उच्च-अधीन परिसंपत्तियों में शेयरों की संख्या बढ़ाई है। इन उपायों को



माइक्रोकैप शेयरों में फंडों का निवेश बढ़ने के कारणों में से एक के तौर पर देखा गया है।

फंड प्रबंधकों के अनुसार माइक्रोकैप शेयरों की ओर झुकाव कोई योजनाबद्ध कदम नहीं है, बल्कि उनके विस्तारित दायरे और बढ़ती बाजार पैठ का परिणाम है।

टाटा ऐसेट मैनेजमेंट में वरिष्ठ फंड प्रबंधक में माइक्रोकैप नामक कोई श्रेणी नहीं है। स्मॉलकैप फंड में हम बॉटम अप ट्रिप्टिकोण अपनाते हैं और आकर्षक मूल्यांकन पर उल्लब्ध अच्छी वृद्धि वाली कंपनियों की पहचान करने पर ध्यान देते हैं। फंड के लिए समग्र दायरा बहुत बड़ा है।’ एमआईसी स्मॉलकैप फंड के फंड प्रबंधक

## फंडों ने बदली रणनीति

■ शीर्ष 500 के बाद के शेयरों में स्मॉलकैप फंडों का औसत निवेश तीन वर्षों में 22 फीसदी से बढ़कर 31 फीसदी पर पहुंच गया

■ दिसंबर 2024 तक की दो साल की अवधि में इस श्रेणी ने 75,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया

■ स्मॉलकैप फंडों की एयूएम दो साल में 2.53 गुना बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपये हुईं

■ पिछले दो साल से निवेशकों के पसंदीदा बने हुए हैं स्मॉलकैप फंड

■ दिसंबर 2019 में जिस शेयर की रैंकिंग 251 थी, उसकी वैल्यू आज 4 गुना तक बढ़ गई है

महेश बेंद्रे ने कहा कि हालांकि फंड हाउस स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों में अंतर नहीं करता है। लेकिन कम शोध वाली और कम स्वामित्व वाली कंपनियों में निवेश की उसकी रणनीति से माइक्रोकैप में निवेश बढ़ा है। उन्होंने कहा, ‘हमारे फंड में, मुख्य ध्यान उच्च गुणवत्ता और कम शोध वाली कंपनियों की पहचान करना है, जिससे कि उनके कम मूल्यांकन का लाभ उठाया जा सके। वास्तविकता यह है कि स्मॉलकैप सेगमेंट में तरलता की स्थिति में सुधार आया है।’

पिछले 3-4 साल में स्मॉलकैप शेयरों के मार्केट कैप में उछाल से इस सेगमेंट की लोकप्रियता स्पष्ट हुई है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के

आंकड़ों से पता चलता है कि सबसे बड़ी स्मॉलकैप कंपनी (बाजार पूंजीकरण रैंकिंग में 251वां शेयर) का औसत बाजार पूंजीकरण 2021 की दूसरी छमाही के दौरान 15,926 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 की दूसरी छमाही में 32,800 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 501वीं कंपनी का औसत बाजार पूंजीकरण 4,500 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,300 करोड़ रुपये हो गया।

विंचुरा सिस्कोरिटीज ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है, ‘दिसंबर 2019 में जिस शेयर की रैंकिंग 251 थी, उसकी वैल्यू आज 4 गुना तक बढ़ गई है। इसी तरह, 500वीं कंपनी के लिए यह 6 गुना और, 1000वीं रैंकिंग वाली कंपनी के लिए 8 गुना बढ़ी है।’

## रेलिगेयर एजीएम से पहले रश्मि सलूजा ने मांगी अदालत से राहत

खुशबू तिवारी

मुंबई, 29 जनवरी

रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की कार्यकारी चेयरपर्सन रश्मि सलूजा ने वित्तीय सेवा फर्म के निदेशक पर से उन्हें हटाने के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में अर्जी दी है जिसमें कहा गया है कि उनकी नियुक्ति फरवरी 2028 तक वैध है। 7 फरवरी को आगामी सालाना आम बैठक में रेलिगेयर सलूजा की जगह नए निदेशक की नियुक्ति का प्रस्ताव लाने जा रही है जो रोटेशन के हिसाब से रिटायर होगा। प्रस्ताव के खिलाफ सलूजा ने अदालत से आदेश देने की मांग की है।

सलूजा की दलील है कि यह प्रस्ताव कंपनी अधिनियम 2013 का उल्लंघन है और 9 दिसंबर 2024 के आरबीआई के निर्देशों के विपरीत है और उनके अनुबंध अधिकार का उल्लंघन करता है। बुधवार को सलूजा के वकील ने

# तकनीकी शेयरों की बढ़ौलत शेयर बाजार में बढ़त

बीएस संवाददाता

मुंबई, 29 जनवरी

बेंचमार्क सूचकांकों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी दर्ज हुई क्योंकि निवेशकों ने हालिया गिरावट को काफी अधिक माना और पिटे हुए मूल्यांकन वाले शेयरों में खरीद की। बेंचमार्क निफ्टी-50 इंडेक्स 206 अंक चढ़कर 23,163 पर बंद हुआ और इसकी दो दिन की बढ़त 1.51 फीसदी पर पहुंच गई। सोमवार को सूचकांक सात महीने के निचले स्तर के करीब 22,829 पर बंद हुआ था।

व्यापक बाजारों में भी तेजी दर्ज हुई और निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 2.3 फीसदी व 3.3 फीसदी की उछाल आई। सेंसेक्स 632 अंक चढ़कर 76,533 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की बढ़त में तकनीकी शेयरों ने सबसे ज्यादा योगदान किया। 2.8 फीसदी चढ़ने वाले इन्फोसिस का योगदान सेंसेक्स की बढ़त में सबसे अधिक रहा जिसके बाद जोमैटो ( 6.8 फीसदी) और टीसीएस ( 1.5 फीसदी) का स्थान रहा।

निफ्टी आईटी इंडेक्स पिछले दो कारोबारी सत्रों में 4 फीसदी टूटने के बाद बुधवार को 2.62 फीसदी चढ़ाज वैश्विक तकनीकी शेयरों में सुधार दर्ज हुआ क्योंकि कम लागत वाले नए चीनी एआई मॉडल को लेकर चिंता कम हुई। बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र के शेयरों की मांग करने वाले इंडेक्स में भी सुधार हुआ जिसे बैंकिंग व्यवस्था में नकदी डालने की खबरों से सहारा मिला।

बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर में बढ़त के बाद ऑटो इंडेक्स में भी बढ़ोतरी हुई क्योंकि उन्होंने बेहतर तिमाही मुनाफा दर्ज किया और ठीक-ठाक मांग और निर्यात वृद्धि का अनुमान जताया। मारुति सुजुकी का शेयर एक फीसदी से ज्यादा टूट गया क्योंकि कंपनी के

## आर्केड का शेयर 8 फीसदी चढ़ा

आर्केड डेवलपर्स का शेयर बुधवार को उस समय 8 फीसदी उछल गया जब रियल्टी कंपनी ने 2,000 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व वाली जमीन मुंबई में खरीदी। मुंबई की डेवलपर ने गोदागांव पश्चिम में 4 एकड़ जमीन 165 करोड़ रुपये में एसेन प्रोपर्टीज और कमानवाला हाउसिंग कंस्ट्रक्शंस से खरीदी। अभी यह जमीन फिल्म स्टूडियो फिलिमस्तान के पास लीज पर है। आर्केड ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस परियोजना में 5 लाख वर्ग फुट से अधिक बिक्री योग्य क्षेत्र के साथ एक आधुनिक लक्जरी विकास की संभावना है जिससे 2,000 करोड़ रुपये का अनुमानित राजस्व मिलेगा।

<b><span>NSE</span></b>
<b>नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड</b>
<small>बीबीसी कार्यालय: "एक्सचेंज वॉकर", सी-१, एनएच जी, बॉम्बे-बुर्ला कॉम्प्लेक्स, बॉम्बे (ई), मुंबई - ४०० ०११, महाराष्ट्र, भारत.</small>
सार्वजनिक सूचना
<b>सेबी (इंडिया) शेयरों की अस्वीकृद्दता) विनियम, २०२१ के विनियम ३२(५) (ए), के अनुसार कंपनियों के इंडिया शेयरों की अनिवार्य अस्वीकृद्दता के लिए सार्वजनिक सूचना.</b>
यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कंपनी के इंडिया शेयरों का भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इंडिया) शेयरों की डीलिंग्सिंग) विनियम, २०२१ ("डीलिंग्सिंग विनियम") के विनियमन ३२(५) (ए), प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, १९५९ की धारा २१ए, प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, १९५७ और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एक्सचेंज") के उपनियमों और विनियमों के अनुसार <b>११ नवंबर, २०२४</b> , से डीलिंग कर दिया गया है।
<b>कंपनी को गैर-अनुपालन के कारण अनिवार्य रूप से डीलिंग कर दिया गया।</b>

कंपनी का नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता*	उचित मूल्य (पेपर प्रति शेयर)	प्रवर्तकों का नाम	प्रवर्तकों का पता*
मिहिर कोटेश्वर सिमिटेड	(₹३.२८)/-	सदीप मिहिर	नंबर - ९८०, २ए दीप नगर वार्ड, नंबर ७० लुधियाना, पंजाब - १४१००१, भारत। और मकान नंबर बी-१ - ९८०/२ए, पुलिस लाइन, सिविल लाइन लुधियाना, पंजाब - १४१००१, भारत।
राजिंदर कुमार मिहिर		हाजिर नंबर २९-डी, सराफा नगर, लुधियाना, पंजाब - १४१००१, भारत।	
रोना कुमार मिहिर		मिहिर कानून इंटरनैशनल, जीएफ-९ अंतराल टॉवर, ३८ महेल प्लेस, दिल्ली -११००१९, भारत। और मकान नंबर बी-४०, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली -११०००८, भारत।	
यश पॉल मिहिर		मकान नंबर बी-११० - ९८०/२ए पुलिस लाइन के सामने सिविल लाइन, लुधियाना, पंजाब - १४१००१। भारत।	

\*पता एक्सचेंज के रिकॉर्ड के अनुसार उपलब्ध है।

**टिप्पणियां:**

सेबी (इंडिया) शेयरों की अस्वीकृद्दता) विनियम, २०२१ के अनुसार, अनिवार्य अस्वीकृद्दता के परिणामों में निम्नलिखित शामिल हैं:

ए. अस्वीकृद्दता विनियमों के विनियम ३४ (१) के अनुसार, कंपनी, इसके पूर्णकालिक निदेशक, प्रतिभूति कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति, इसके प्रवर्तक, और इनमें से किसी के द्वारा प्रवर्तित की गई कंपनियों प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिभूति बाजार तक पहुंच नहीं बनानी या किसी इंडिया शेयर को सूचीबद्ध करने की मांग नहीं करनी या ऐसी अस्वीकृद्दता की तारीख से दस (१०) वर्ष की अवधि के लिये प्रतिभूति बाजार में मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करनी।

बी. किसी कंपनी के मामले में जिसका उचित मूल्य सकारात्मक है-

- ऐसी कंपनी और डिपॉजिटरी प्रवर्तक/प्रवर्तकों के समूह द्वारा रखे गए किसी भी इंडिया शेयर और लाभार्थ, अधिकार, बोनस शेयर, विभाजन आदि जैसे कॉर्पोरेट लाभों का बिक्री, पिछदी आदि के संशोधन से हस्तांतरण नहीं करने, प्रवर्तकों/प्रवर्तक समूह द्वारा रखे गए सभी इंडिया शेयरों पर तब तक रोक रखनी, जब तक कि ऐसी कंपनी के प्रवर्तक इन विनियमों के विनियम ३३ के उप-विनियम (४) के अनुपालन में सार्वजनिक शेयरधारकों को बाहर निकलने का विवरण प्रदान नहीं करते हैं, जैसा कि संबंधित मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा प्रमाणित किया गया है,

- अनिवार्य रूप से अस्वीकृद्द की गई कंपनी के प्रवर्तक, पूर्णकालिक निदेशक और प्रतिभूति कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति भी तब तक किसी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक बनने के लिए पात्र नहीं होंगे, जब तक कि खंड (ए) में उल्लिखित के अनुसार बाहर निकलने का विवरण प्रदान नहीं किया जाता है।

सी. सार्वजनिक शेयरधारकों को बाहर निकलने का अवसर देने का दायित्व कंपनी के प्रवर्तकों पर है। डी. अस्वीकृद्दता विनियमों के विनियम ३३ (४) के अनुसार, कंपनी के प्रवर्तक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से अस्वीकृद्दता की तारीख से तीन महीने के अंदर, मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य का भुगतान करके सार्वजनिक शेयरधारकों से अस्वीकृद्द इंडिया शेयरों का अधिग्रहण करेगे, बशर्ते कि सार्वजनिक शेयरधारकों के पास अपने शेयर रखने का विकल्प हो।

ई. अस्वीकृद्दता विनियमों के विनियम ३३ (५) के अनुसार, यदि विनियम ३३ के उप-विनियम (३) के अनुसार दस मूल्य का भुगतान विनियम उप-विनियम (४) के अंतर्गत निर्दिष्ट समय के अंदर सभी शेयरधारकों को नहीं किया जाता है, तो प्रवर्तक उन सभी शेयरधारकों को दस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा, जो अनिवार्य अस्वीकृद्दता ऑफर के अंतर्गत अपने शेयर पेश करते हैं।

**कोई भी प्रश्न डीलिंग्सिंग समिति को संबोधित किया जा सकता है, सूचीबद्धता विभाग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, एक्सचेंज प्लाजा, सी-१, एनएच-जी, बॉम्बा-बुर्ला कॉम्प्लेक्स, बॉम्बा (पूर्व), मुंबई ४०० ०११ | संपर्क नंबर: +९१ २२ २६५९१०० (३२०१४), ई-मेल: [vgandhi@nse.co.in](mailto:vgandhi@nse.co.in), [delisting@nse.co.in](mailto:delisting@nse.co.in)। [td-insp-enf-delisting@nse.co.in](mailto:td-insp-enf-delisting@nse.co.in).**

प्रश्नों को अनिवार्य रूप से उपरोक्त ईमेल पते पर ईमेल किया जाना चाहिए। किसी भी पुनरात्म प्रश्न को वैध नहीं माना जाएगा।

<b>स्थान: मुंबई</b>	<b>नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के लिए और उसकी ओर से</b>
<b>दिनांक: ३० जनवरी, २०२५</b>	<b>Nifty50</b>

## दूसरा सबसे मूल्यवान होटल शेयर बना आईटीसी होटल्स

### आईटीसी से अलग हुई कंपनी अगले पांच साल में 200 होटल खोलेगी

रोशनी शेखर

मुंबई, 29 जनवरी

आईटीसी से अलग हुई हॉस्पिटैलिटी कंपनी आईटीसी होटल्स बुधवार को अलग से सूचीबद्ध हुई। करीब 36,139 करोड़ रुपए के बाजार मूल्यांकन के साथ यह दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध होटल कंपनी बन गई है। एनएसई पर 180 रुपये के उच्चस्तर और 171 रुपये के निचले स्तर को छूने के बाद यह शेयर अंत में 174 रुपये पर बंद हुआ जहां 439 करोड़ रुपये के शेयरों का कारोबार हुआ।

आईटीसी होटल्स में 40 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली आईटीसी का शेयर एनएसई पर 0.51 फीसदी गिरकर 433 रुपये पर बंद हुआ जिससे कंपनी का मूल्यांकन 5.42 लाख करोड़ रुपये रहा। सूचीबद्ध कंपनियों में आईटीसी होटल्स का शेयर ईस्ट इंडिया होटल्स (ओबेरॉय समूह की हॉस्पिटैलिटी

इकाई) को पीछे छोड़कर दूसरा सबसे मूल्यवान होटल शेयर हो गया। ताज होटल्स की मूल कंपनी इंडियन होटल्स का शेयर अभी भी सबसे मूल्यवान होटल शेयर है और इसका बाजार पूंजीकरण 1.11 लाख करोड़ रुपये है।

आईटीसी होटल्स ने एक बयान में कहा कि उसकी योजना अपने पोर्टफोलियो का विस्तार 200 होटल तक करने की है। पिछले दो साल में आईटीसी होटल्स ने 30 होटल शुरू किए हैं और अगले 24 महीने में उसे हर महीने औसतन 1 होटल जोड़ने की उम्मीद है। अभी आईटीसी होटल्स के छह ब्रांड हैं जिनमें आईटीसी होटल्स एंड मेंमेंटोज लज्जरी स्पेस में हैं, वहीं प्रतिक्रमहोटल का साहसिक कदम भी है। चूंकि आईटीसी होटल्स इस नई यात्रा पर आगे बढ़ रही है, वह आतिथ्य में नए वैश्विक मानक हासिल करने के लिए प्रतिक्रम है। कंपनी ने बयान में कहा कि योजनाबद्ध विकास और आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके पास 1,500 करोड़



कि आईटीसी होटलों की लिस्टिंग न केवल आईटीसी समूह के आतिथ्य व्यवसाय के लिए नया अध्याय है बल्कि सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का साहसिक कदम भी है। चूंकि आईटीसी होटल्स इस नई यात्रा पर आगे बढ़ रही है, वह आतिथ्य में नए वैश्विक मानक हासिल करने के लिए प्रतिक्रम है। कंपनी ने बयान में कहा कि योजनाबद्ध विकास और आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके पास 1,500 करोड़

रुपये नकद और इसके समकक्ष है और कोई कर्ज भी नहीं है।

स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक निमिष माहेश्वरी ने एक नोट में कहा कि आईटीसी होटल्स को अलग करना आईटीसी का एक साहसिक कदम है जिसका मकसद कीमत अनलॉक करना और आतिथ्य क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हालांकि चुनौतियां और अनिश्चितताएं मौजूद हैं। लेकिन अलग होने के पीछे रणनीतिक तर्क, अनुकूल उद्योग ट्रिप्टिकोण और आईटीसी होटल्स की विकास योजनाएं शानदार भविष्य की ओर इशारा करते हैं।

कंपनी चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों मसलन कोलंबो में आईटीसी रलदीप, नेपाल के भक्त पूरा में फॉर्चुन रिसार्ट्स और वेलेनेस स्पा के साथ मौजूद है। बयान के मुताबिक जल्द ही कंपनी नेपाल में वेलकमहोटल शुरू करेगी।

## हेज फंड कारोबार बंद करेगी एवेंडस सुंदर सेतुरामन मुंबई, 29 जनवरी

एवेंडस कैपिटल अपना हेज फंड कारोबार बंद कर रही है और इस वर्टिकल की अगुआई करने वाले एंड्रयू हॉर्लैंड फर्म से बाहर निकल रहे हैं। एवेंडस कैपिटल ने कहा, स्ट्रक्चर्ड क्रेडिट, प्राइवेट इक्विटी और लॉन्ग-ओनली पब्लिक मार्केट में उसकी योजनाएं निवेशकों की खासी दिलचस्पी बनाए रखेगी, लेकिन उसके हेज फंडों ने बहुत ज्यादा झुकाव नहीं देखा है।

बयान में कहा गया है, हमारे निवेशकों के बेहतर हितों का ध्यान रखते हुए सावधानीपूर्वक रणनीतिक समीक्षा और बाजार के उभरते आयाम के साथ चलते हुए हमने परिसंपत्ति प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी पेशकश को फिर से संगठित करने के लिए कदम उठाए हैं। हमने हेज फंड कारोबार को बंद करने और एवेंडस पेसेट मैनेजमेंट के तहत उपरोक्त रणनीति के विस्तार पर अपना ध्यान केंद्रित करने की फैसला लिया है।

बयान में कहा गया है कि हेज फंड कारोबार की अगुआई कर रहे एंड्रयू हॉर्लैंड फर्म से बाहर निकल रहे हैं। हेज फंड कारोबार के तहत एवेंडस कैपिटल के दो फंड हैं - एवेंडस एक्सॉल्यूटिव रिटर्न और एवेंडस एनहांसड रिटर्न। हॉर्लैंड फरवरी के आखिर तक कंपनी से बाहर निकल सकते हैं।

### एनएवी कैपिटल ने पेश किया इंडिया फोकस्ड एआईएफ

दुबई की एनएवी कैपिटल ने भारत केंद्रित पहला ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड - क्लोज एंडेड (एआईएफ कैटिगरी-2) एनएवी भारत इन्वेस्टमेंट ऑपरेटिविटीज फंड पेश किया है। नए फंड का लक्ष्य विभिन्न क्षेत्रों की उन प्री-आईपीओ कंपनियों और एएसएमई में निवेश करने का है, जिनमें उच्च वृद्धि की क्षमता हो। एनएवी कैपिटल की योजना पहले दौर में 500 करोड़ रुपये जुटाने की है, जिसे 18 महीनों में निवेश किया जाएगा।

# ऊंची ऋण लागत से एसबीआई कार्ड पर बढ़ रहा दबाव

## वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में एसबीआई कार्ड की ऋण लागत बढ़कर 9.4 फीसदी हुई

निकिता वशिष्ठ

नई दिल्ली, 29 जनवरी

**भारतीय स्टेट बैंक** (एसबीआई) समर्थित एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज (एसबीआई कार्ड) ने एक बार फिर से नरम तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया। इस कारण दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद इस शेयर पर विश्लेषकों का उस्ताह फीका है। दलाल ग्रेध पर एसबीआई कार्ड का शेयर दिन के कारोबार में 6 फीसदी गिरकर 712.15 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। हालांकि आखिर में थोड़ा संभलते हुए 0.57 फीसदी तक की तेजी के साथ 763 रुपये पर बंद हुआ। सेंसेक्स 0.83 फीसदी बढ़ा।

विश्लेषकों के अनुसार एसबीआई कार्ड का मुनाफा वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में कमजोर रहा। उस पर ऊंची ऋण लागत, सुस्त मार्जिन, शुल्क आय पर नियामकीय चुनौतियों का दबाव पड़ा। इस शेयर के लिए एचडीएफसी सिस्कोरिटीज ने रेटिंग ‘जोड़ें’ से बदलकर ‘घटाएं’ कर दी है और कीमत लक्ष्य भी 690 रुपये से घटकर 637 रुपये कर दिया है।

क्रोकरेज का मानना है, ‘प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के दौरान देनदारियों में गिरावट का संकेत दिया है और उम्मीद है कि ऋण लागत मौजूदा स्तर से कम हो जाएगी। हालांकि, हमें उम्मीद है कि महामारी से पहले के स्तरों की तुलना में ऋण लागत ऊंचे स्तर (लाभभग 7 प्रतिशत) पर बनी रहेगी।’

वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में एसबीआई कार्ड की ऋण लागत बढ़कर 9.4 फीसदी हो गई, जो दूसरी तिमाही में 9 फीसदी थी। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी घटाएं रेटिंग बरकरार रखते हुए कहा, ‘प्रबंधन का मानना है कि ये एसबीआई कार्ड के क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो में दबाव के शुरूआती संकेत हैं। हालांकि, हम सतर्क रहना पसंद करीगे और रूझान के उलट होने का संकेत देने के लिए वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के रूझानों पर ध्यान

देंगे। धीमी वृद्धि/शुल्क को ध्यान में रखते हुए हमने वित्त वर्ष 2025/वित्त वर्ष 2026 के लिए

आय अनुमान में 14 प्रतिशत/3 प्रतिशत की कटौती की है।’ एमके ग्लोबल फाइनेंशियल ने हालांकि एसबीआई कार्ड के लिए कीमत लक्ष्य दिसंबर 2025 के लिए बढ़ाकर 750 रुपये कर दिया है। कंपनी प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए लागत-आय अनुपात 52-55 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान जताया है। प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2026 में 12-15 फीसदी की ऋण वृद्धि का संकेत दिया है।

आय अपग्रेड और मूल्यांकन रेटिंग में बदलाव के लिए मुख्य कारक ऋण लागत अनुमान के मुकाबले जल्द सामान्य होना और दर चक्र के आसान होने से फंडिंग लागत में कमी आना है।

**परिसंपत्ति गुणवत्ता**

प्रबंधन के अनुसार स्टेज 2 और स्टेज 3 की संरचना में कमी और चूक में सुधार के साथ बेहतर परिसंपत्ति मिश्रण बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक बदलाव वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जारी रहने की उम्मीद है। तिमाही के लिए सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) 3 आधार अंक की गिरावट के साथ 3.24 प्रतिशत रह गई, तथा प्रबंधन को जीएनपीए में और सुधार की उम्मीद है।